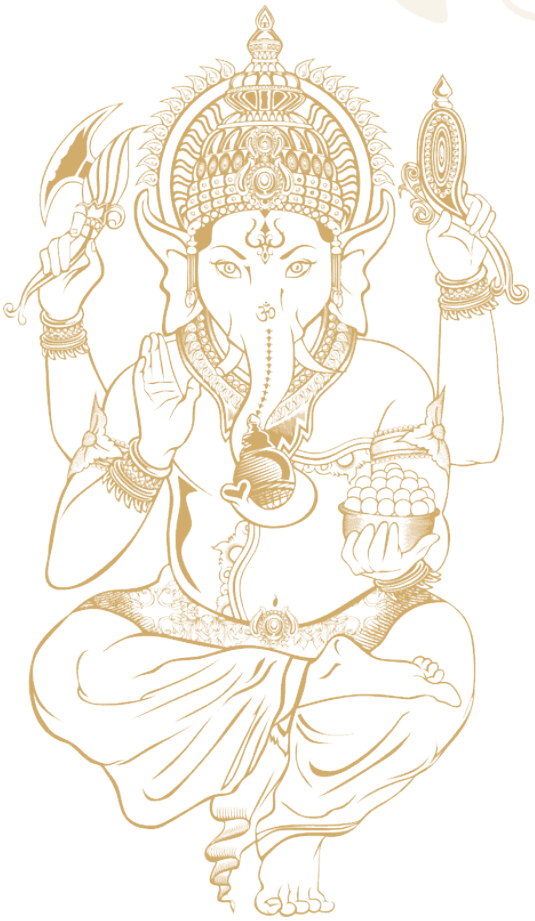

Mukesh Gupta

18 Jul 1966

04:24 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121295313

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/07/1966**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:24:00 घंटे**
इष्ट	57:05:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:02:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:00 घंटे
साम्पातिक काल	23:44:07 घंटे
सूर्योदय	05:33:55 घंटे
सूर्यास्त	19:20:10 घंटे
दिनमान	13:46:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:30:06 कर्क
लग्न के अंश	15:22:38 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	हर्षण
करण	नाग
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	हा-हरीश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:22:38	319:32:50	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	01:30:06	00:57:17	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	28:17:52	14:38:51	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मिथु	11:12:32	00:40:16	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कर्क	17:38:51	00:14:54	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	22:29:37	00:13:28	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	02:06:25	01:11:48	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि	व		मीन	06:16:02	00:00:39	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		वृष	00:05:48	00:08:44	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	00:05:48	00:08:44	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			सिंह	23:23:26	00:02:39	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
नेप	व		तुला	26:04:23	00:00:27	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
प्लूटो			सिंह	23:05:09	00:01:29	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			मीन	02:16:55	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:11

लग्न-चलित

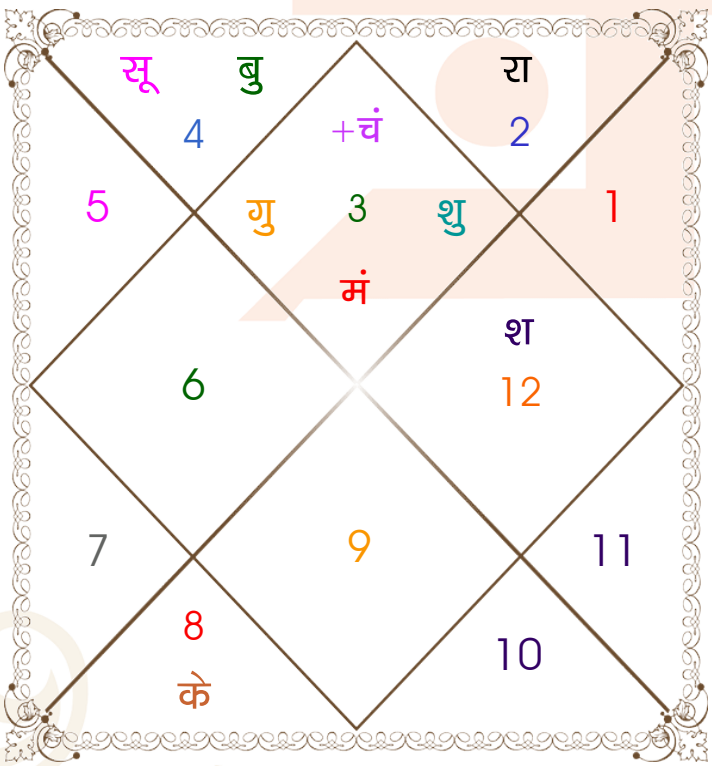

चन्द्र कुंडली

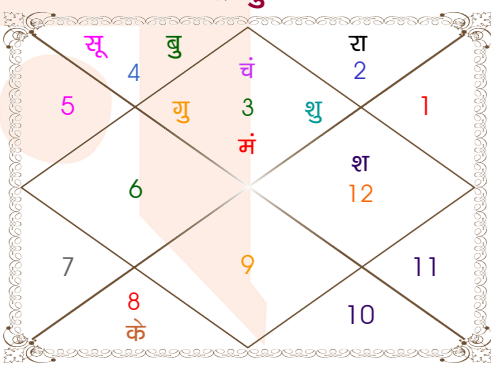

नवमांश कुंडली

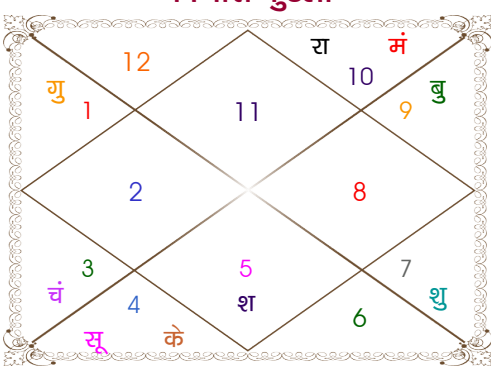

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 6 वर्ष 0 मास 15 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/07/1966		02/08/1972		03/08/1991		02/08/2008		03/08/2015	
02/08/1972		03/08/1991		02/08/2008		03/08/2015		03/08/2035	
	00/00/0000	शनि	06/08/1975	बुध	29/12/1993	केतु	29/12/2008	शुक्र	02/12/2018
	00/00/0000	बुध	15/04/1978	केतु	26/12/1994	शुक्र	28/02/2010	सूर्य	02/12/2019
	00/00/0000	केतु	25/05/1979	शुक्र	26/10/1997	सूर्य	06/07/2010	चंद्र	02/08/2021
	18/07/1966	शुक्र	24/07/1982	सूर्य	02/09/1998	चंद्र	04/02/2011	मंगल	02/10/2022
शुक्र	13/02/1967	सूर्य	06/07/1983	चंद्र	01/02/2000	मंगल	03/07/2011	राहु	02/10/2025
सूर्य	02/12/1967	चंद्र	03/02/1985	मंगल	28/01/2001	राहु	21/07/2012	गुरु	02/06/2028
चंद्र	02/04/1969	मंगल	15/03/1986	राहु	18/08/2003	गुरु	27/06/2013	शनि	03/08/2031
मंगल	09/03/1970	राहु	19/01/1989	गुरु	23/11/2005	शनि	05/08/2014	बुध	02/06/2034
राहु	02/08/1972	गुरु	03/08/1991	शनि	02/08/2008	बुध	03/08/2015	केतु	03/08/2035

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/08/2035		02/08/2041		03/08/2051		02/08/2058		02/08/2076	
02/08/2041		03/08/2051		02/08/2058		02/08/2076		00/00/0000	
सूर्य	20/11/2035	चंद्र	02/06/2042	मंगल	30/12/2051	राहु	14/04/2061	गुरु	20/09/2078
चंद्र	21/05/2036	मंगल	01/01/2043	राहु	16/01/2053	गुरु	08/09/2063	शनि	02/04/2081
मंगल	26/09/2036	राहु	02/07/2044	गुरु	23/12/2053	शनि	15/07/2066	बुध	09/07/2083
राहु	20/08/2037	गुरु	01/11/2045	शनि	01/02/2055	बुध	31/01/2069	केतु	14/06/2084
गुरु	09/06/2038	शनि	03/06/2047	बुध	29/01/2056	केतु	19/02/2070	शुक्र	18/07/2086
शनि	22/05/2039	बुध	01/11/2048	केतु	26/06/2056	शुक्र	19/02/2073		00/00/0000
बुध	27/03/2040	केतु	02/06/2049	शुक्र	26/08/2057	सूर्य	13/01/2074		00/00/0000
केतु	02/08/2040	शुक्र	01/02/2051	सूर्य	01/01/2058	चंद्र	15/07/2075		00/00/0000
शुक्र	02/08/2041	सूर्य	03/08/2051	चंद्र	02/08/2058	मंगल	02/08/2076		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 6 वर्ष 0 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।